DAY-10 20-12-2025 – रविवार - LEVEL-1 C&D

100 DAYS ACTION PLAN-HINDI HAMARI-HINDI.COM

10	21/12/25 **(रविवार)**	2	कण-कण का अधिकारी (सारांश)	पुनरावृत्ति परीक्षा-3 बरसते बादल, ईदगाह, कण-कण का अधिकारी सारांश (कोई एक)

भाग -III Q.NO.12 - 8M

प्र 12 कवि मेहनत करनेवालों को सदा आगे रखने की बात क्यों कह रहे हैं? कण-कण का अधिकारी कविता के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

उ.) परिचय : यह प्रश्न " कण-कण का अधिकारी " पाठ से दिया गया है।

पाठ का नाम : कण-कण का अधिकारी
लेखक : डॉ. रामधारी सिंह दिनकर जी
जीवन काल : 1908-1974
प्रमुख रचनाएँ : ऊर्वशी, कुरुक्षेत्र, रेणुका आदि।
पुरस्कार : ज्ञानपीठ - ऊर्वशी

सारांश :
★ इस कविता में कवि ने मेहनत करने वाले व्यक्तियों की महानता के बारे में कहा है।
★ एक व्यक्ति पाप से धन कमाता है तो भाग्यवाद के छल से दूसरा भोगता है।
★ नर समाज का भाग्य, श्रम और भुजबल है।
★ श्रमिक के सम्मुख भूमि और आकाश झुकते हैं। HAMARI-HINDI.COM
★ जो श्रमजल देकर मेहनत करता है उसे आगे रखना है।
★ श्रमिक व्यक्ति ही कण–कण का अधिकारी है।

उपसंहार : मेहनत ही सफलता की कुँजी है।